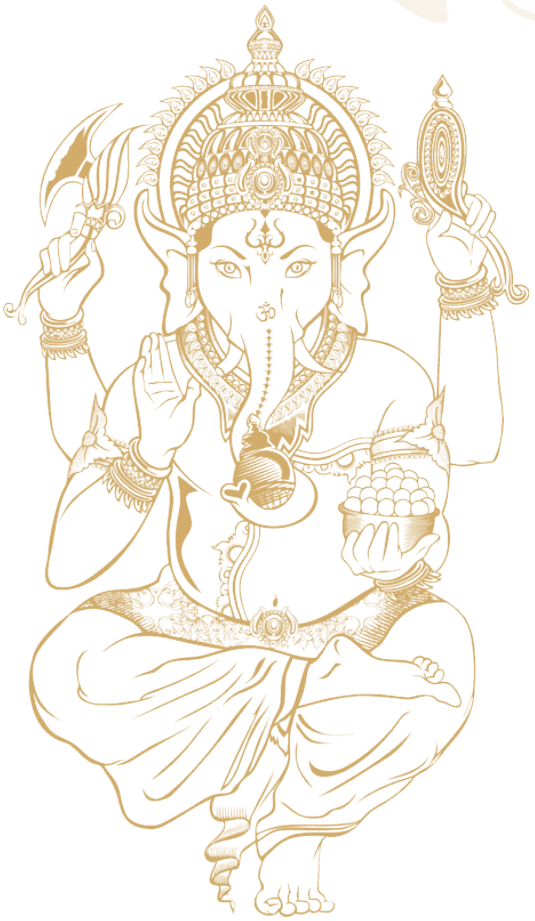

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119554003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/04/1993	जन्म तिथि	8-09/12/1995
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 03:18:00	जन्म समय	02:30:00 घंटे
घटी 53:44:53	जन्म समय(घटी)	48:41:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Charkhi Dadri
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:37:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:02	सूर्योदय	07:05:10
18:51:24	सूर्यास्त	17:28:04
23:46:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 8मा 20दि	16:40:51	कुंभ	लग्न	कन्या	22:23:34	राहु 10वर्ष 5मा 7दि
राहु	09:58:17	मेष	सूर्य	वृश्चि	22:29:37	शनि
13/01/2014	01:43:30	वृष	चंद्र	मिथु	12:16:07	17/05/2022
14/01/2032	04:18:57	कर्क	मंगल	धनु	12:30:20	17/05/2041
राहु 25/09/2016	18:35:43	मीन	बुध	धनु	01:08:06	शनि 20/05/2025
गुरु 19/02/2019	13:05:27	कन्या व	गुरु	धनु	00:24:39	बुध 28/01/2028
शनि 26/12/2021	10:00:25	मीन	शुक्र	धनु	20:14:32	केतु 08/03/2029
बुध 14/07/2024	04:47:13	कुंभ	शनि	कुंभ	24:27:09	शुक्र 07/05/2032
केतु 02/08/2025	18:48:37	वृश्चि व	राहु व	तुला	01:26:33	सूर्य 19/04/2033
शुक्र 01/08/2028	18:48:37	वृष व	केतु व	मेष	01:26:33	चन्द्र 18/11/2034
सूर्य 26/06/2029	28:25:16	धनु	हर्ष	मक	04:20:15	मंगल 28/12/2035
चन्द्र 26/12/2030	27:23:04	धनु व	नेप	मक	00:04:33	राहु 03/11/2038
मंगल 14/01/2032	00:56:31	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:18:26	गुरु 17/05/2041

लग्न-चलित

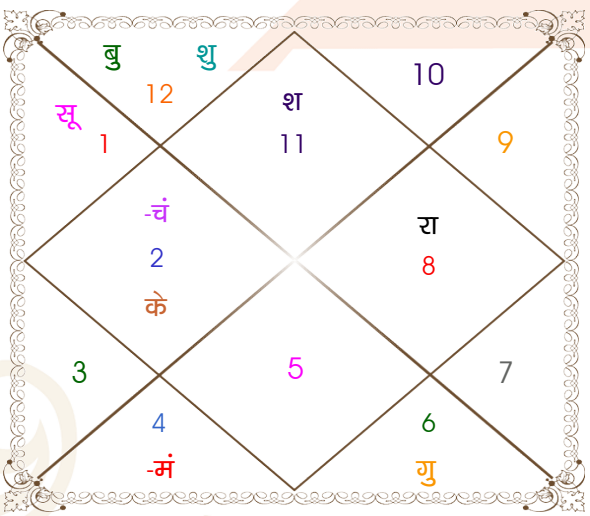

लग्न-चलित

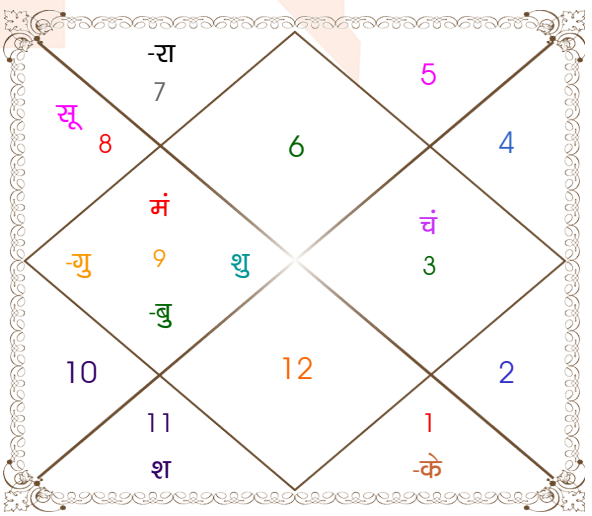

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।